

# शंभो! सांबा!

रागः हैमवति

ताळः आदि

पल्लविः शंभो! सांबा! स्तुतिरिह ते  
नत सुगते! सुरनुत! ते  
हसते लसते जगदपहरते जयते भवते शुभमनु दिशते

अनुपल्लविः सज्जन शरणा! संहति करणा!  
रुचिरा चरणा! शुभ चरणा! भुजगा भरणा! सुविकरणा!

१. मामक हृदये विकसतु ते  
पावन शोभा सुजन गते!  
संतत करुणा! संहत मरणा!  
विमता वरणा! विपुल रणा! विमल स्फुरणा! विषधरणा!

२. तावक सुतनू र्मम पुरतो  
दैनिक पूजा जप विधितो  
दीव्यतु विमला दीप्यतु सुकला  
मृदुहैमवती युति तरला सचिदानंदा कृति सरला